



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 751]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 27, 1992/अग्रहायण 6, 1914

No. 751] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 27, 1992/AGRAHAYANA 6, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1992

का.प्रा. 867 (अ) :—नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल
आफ नागालैंड और इसके सभी गुट तथा विंग, जिसे इसमें
इसके पश्चात् एन एस सी एन कहा गया है विभिन्न लीडरों के
अधीन और एजेंसियां जो एन एस सी एन की ओर से या
इसके नाम से कार्य करने के लिए तात्पर्यित हैं;

(1) नागालैंड में भारत के लोगों को सुनिश्चित करने,
नागालैंड की प्रभुता स्थापित करने का अधिकार
प्राप्त करने तथा उसके पश्चात् भारत में विलग
होने के अपने उद्देश्य की घोषणा करते रहे हैं;

(2) भारत की प्रभुता और अखंडता को विच्छिन्न
करने से आशयित क्रियाकलापों में लगे हुए हैं;

(3) अपने उद्देश्य के अनुसरण में समय-समय पर अपने
उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आतंक फैलाने और
विधिपूर्ण रूप से स्थापित सरकार के प्राधिकार को
कम करने के लिए हिंसा के रास्ते पर लगे रहने
की प्रतिबद्धता पर बल दिया है। हिंसक क्रिया-
कलापों में (क) चौकियों, पेट्रोलों और सुरक्षा
बलों तथा पुलिस के कार्मिकों पर भाकस्मिक
घटना करने के विचार से धात लगाकर हमला
करना और आयुध और गोलाबारूद को छीनना;

(ख) अपने विनियोग के लिए सरकारी खजानों,
राष्ट्रीयकृत बैंकों, अन्य वाणिज्यिक स्थापनों को
लूटना;

(ग) उनके हितों का अधिकतम विरोध करने वाले
व्यक्तियों की हत्या करना तथा सुरक्षा बलों या
पुलिस के भेदिये होने का संदेह रखने वाले

नागरिकों को हत्या करना, निधि उधारित करना, राशन संग्रह करना, नए रंगबटो की भर्ती करना आदि सम्मिलित है;

और केन्द्रीय सरकार की इस सभा के मसौदे पर यह राय है कि एन एस सी एन एक विधि विरुद्ध संगम है;

और केन्द्रीय सरकार की, परिस्थितियों को, अर्थात् युक्ति, अन्य सशस्त्र बलों और नागरिकों के विरुद्ध हाल ही में एन एस सी एन द्वारा की गई निरंतर हिंसा से निपटने की अत्यावश्यकता को ध्यान में रखते हुए और यह राय है कि एन एस सी एन का एक विधि-विरुद्ध संगम घोषित करना तुरन्त आवश्यक है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल आफ नागालैंड (एन एस सी एन) जिसमें इस सभा गूट और विग सम्मिलित है, एक विधि विरुद्ध संगठन घोषित करती है और उन धारा की उपधारा (3) के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निवेश देती है कि यह अधिसूचना किसी ऐसे आदेश के अधीन रहने हुए जो उक्त अधिनियम को धारा 4 के अधीन जारी किया जाए, इस राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में प्रभावी होंगे।

[फा. सं. 8/13/92-एन. ई.-1]

बी पी. सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th November, 1992

S.O. 867(E).—Whereas the National Socialist Council of Nagaland, and all factions and wings thereof under various leaders, hereinafter referred to as NSCN, and the agencies purporting to act on or behalf of NSCN or in its name;

- (1) has been declaring as its objective the securing to the people of India in Nagaland, the right to establish sovereign Nagaland, and thereby to secede from India;
- (2) has been engaging in activities intended to disrupt the sovereignty and integrity of India;
- (3) in pursuance of its objective has, from time to time, reiterated its commitment to pursue the violent path for achieving its objective and unleashing a reign of terror and undermining the authority of the lawfully established government. The violent activities include (a) ambushes and attacks on posts, patrols and personnel of the security forces and the police with a view to indicating casualties and watching arms and ammunition, (b) looting and robbing of government treasuries, nationalised banks and other commercial establishments for augmenting their finances, (c) assassination of persons allegedly opposed to their interest and killing of civilians suspected to be informers of the security forces or the police, (d) extortion of funds, collection of rations, enlistment of new recruits, etc.;

And whereas the Central Government is of the opinion that on the materials placed before it, the NSCN is an unlawful association;

And whereas the Central Government is further of the opinion that having regard to the circumstances namely, the urgent need to meet the sustained violence committed by the NSCN in the recent past against the police, the other armed forces and civilians, it is necessary to declare the NSCN as an unlawful association with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the National Socialist Council of Nagaland (NSCN) including all its factions and wings as unlawful association and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section 3 of that section, that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 8/13/92-NB.1]

B. P. SINGH, P. Secy.